सावधान किसान
सफल किसान

फॉल आर्मीवर्म नियंत्रण अभियान
''उपाय छोटे, फायदे मोटे''

- बीजोपचार : सदैव सीआईबीआरसी की सिफारिश के अनुसार उपचारित बीजों का उपयोग करें
- ग्राम-व्यापी दृष्टिकोण : गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर तथा समकालिक बुवाई करें
- खेती की श्रेष्ठ विधियां : सदैव राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/भा.कृ.अ.प./कृषि विभाग द्वारा सिफारिश की गई खेती की सर्वश्रेष्ठ विधियां अपनाएं
- फीरोमोन ट्रैप लगाएं : अंकुरण के समय 4-5 फीरोमोन ट्रैप/एकड़ की दर से लगाएं, फाल आर्मीवर्म के वयस्क पतंगे की नियमित निगरानी करें और फसल की आरंभिक अवस्था में विनाशकारी कीटों के प्रकोप तथा पौधे को होने वाली क्षति की छानबीन करते रहें।
- उपाय* 1 : अंड समूह/नवजात लार्वों को नष्ट करें तथा पत्तियों पर 5% एनएसकेई/एज़ाडिरेक्टिन 1500 पीपीएम का 5 मि.लि./लिटर जल की दर से छिड़काव करें और अन्य अनुशंसित जैविक रसायनों का भी उपयोग करें। कीट द्वारा भारी क्षति की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलीप्रोल 18.5% एससी (कोराजन™/कवर™/वेस्टीकोर™ आदि) का या थियामेथॉक्सम 12.6% + लेम्डा साइहेलोथ्रिन 9.5% का 0.5 मि.लि./लि. जल की दर से **पत्तियों पर** छिड़काव करें।

- उपाय* 2 : मध्य पर्णचक्र से पछेती पर्णचक्र अवस्था के दौरान लार्वों तथा पौधों को होने वाली हानि की छानबीन करते रहें और आवश्यकता पड़ने पर **(पर्णचक्र में)** या तो क्लोरेंट्रानिलीप्रोल 18.5% एससी (कोराजन™/कवर™/कॉस्को™ आदि) का 0.4 मि.लि./लि. जल या थियामेथॉक्सम 12.6% + लेम्डा साइहेलोथ्रिन 9.5% का 0.5 मि.लि./लि. जल की दर से छिड़काव करें।
- उपाय* 3 : वल्लर निकलने तथा वल्लर निकलने के बाद की अवस्था, कीटनाशी का उपयोग सस्ता नहीं पड़ता है इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि फीरोमोन ट्रैप द्वारा पतंगों को बड़ी मात्रा में पकड़ें।

* Action as per the recommendation of CIBRC

Source : MOA&FW, CIBRC, ICAR-IIMR, ICAR-NBAIR, SAUs, State Agri Dept, CABI, CIMMYT & ICRISAT

© Copyright SABC, 2019

PROJECT SAFFAL

सहयोग :

SOUTH ASIA BIOTECHNOLOGY CENTRE®

FMC An Agricultural Sciences Company

www.fallarmyworm.org.in

saffal@sabc.asia

+91 96259 61134